CBSE CIRCULAR 2023-24



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

'शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION



(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

CBSE/ACADEMIC/JS(SS)/2023/

6th April, 2023 Circular No. Acad-45/2023

All Heads of Institutions affiliated to CBSE

Subject: Assessment and Evaluation Practices of the Board for the Session 2023-24

The National Education Policy, 2020 has affirmed the need to move from rote learning to learning more focused on developing the creative and critical thinking capacities of students to meet the challenges of the 21st century proactively. Accordingly, the Board has taken multiple steps towards implementation of Competency Focused Education in schools, ranging from aligning assessment to competencies, development of exemplar resources for teachers and students as well as continuous capacity building of teachers etc.

The Board has released guidelines vide Circular No. Acad- 05/2019 dated 18.01.2019; Circular No. Acad-11/2019 dated 06.03.2019; Circular No. Ăcad-18/2020 dated 16.03.2020; and Circular No.Acad-57/202<mark>2 dated 20</mark>.05.2022 to progressively align assessment to the vision of the NEP by including more competency-based questions in the Class X and XII Board

In continuation to these circulars, the Board is initiating further corresponding changes in the Examination and Assessment practices for the academic session 2023-24 to align assessment to Competency Focused Education. Therefore, in the forthcoming session a greater number of Competency Based Questions or questions that assess application of concepts in real-life situations will be part of the question paper.

The changes for classes IX-XII (2023-24) year-end Board Examinations are as under:

(Classes IX-X)				
Particulars	Academic Session 2022-23	Academic Session 2023-24		
Composition of question paper year-end examination/ Board Examination (Theory)	the form of Multiple-Choice Questions,	of MCQs/Case Based Questions, Source-based Integrated Questions or any other type = 50% • Select response type questions(MCQ) = 20% • Constructed response questions (Short Answer/		

(Classes XI-XII)					
Particulars	Academic Session 2022-23 Academic Session 2023-24				
Composition of question paper year-end examination/ Board Examination (Theory)	the form of Multiple-Choice Questions, Case	of MCQs/Case Based Questions, Source-based Integrated Questions or any other type = 40% • Select response type questions(MCQ) = 20% • Constructed response questions (Short			

Curriculum document released by the Board for the Academic Session 2023-24 and the Sample Question Papers may also be referred to for details of the QP design of individual subjects. Learning frameworks for various subjects for classes IX-XII are now available at the https://cbseacademic.nic.in for reference.

> (Dr. Joseph Emmanuel) Director (Academics)



'शिक्षा सदन', 17 राऊज एवेन्यू, इंस्टीटुशनल एरिया, नई दिल्ली-110002 *'Shiksha Sadan'*, 17, Rouse Avenue, Institutional Area, New Delhi – 110002



फोन/Telephone: 011-23212603 वेबसाइट/Website:http://cbseacademic.nic.in मेल/e-mail: directoracad.cbse@nic.in.

CBSE CIRCULAR 2023-24



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)



CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

F.1001/CBSE-Acad/Curriculum/2023

March 31, 2023

Cir No: Acad-39/2023

All Heads of Institutions affiliated to CBSE

Subject: Secondary and Senior School Curriculum and Sample Question Papers for the session 2023-24

- 1. CBSE annually provides the curriculum for classes IX to XII containing academic content, syllabus for examinations with learning outcomes, pedagogical practices, and assessment guidelines.
- 2. It is important that schools ensure curriculum transactions as per the directions given in the initial pages of the Curriculum document. The subjects should be taught as per the curriculum given by suitably incorporating strategies such as Art-Integrated Education, Experiential Learning, Pedagogical Plans, etc. wherever possible.
- 3. As CBSE has adopted National Curriculum Framework for Foundational Stage 2022, schools offering foundational or preparatory education are advised to adhere to the recommendations regarding curriculum, pedagogy, assessment, and other areas described in detail in the NCFFS-2022 and guidelines of the Board issued from time to time.
- 4. Sample Question Papers with detailed designs of the Question Paper are also available on CBSE's website to reflect the impact of changes made in the curriculum. SQPs also provide students with an idea of the exam pattern and the type of questions that may be asked in the actual examination in order to ensure transparency and reduce stress. Students will also get a clear understanding of the weightage of different topics and the marking scheme to be followed by going through these Sample Question Papers.

Schools are requested to share the Curriculum and Sample Question Papers available on **www.cbseacademic.nic.in** at the given links, with all students and teachers –

- Secondary & Senior Secondary School Curriculum <u>https://cbseacademic.nic.in/curriculum_2024.html</u>
- Sample Question Papers Secondary –

https://cbseacademic.nic.in/SQP_CLASSX_2023-24.html

Sample Question Papers – Senior Secondary –
 https://cbseacademic.nic.in/SQP_CLASSXII_2023-24.html

(Dr. Joseph Emmanuel) Director (Academics)



'शिक्षा सदन', 17 राऊज़ एवेन्यू इंस्टीटूशनल एरिया, नई दिल्ली-110002 'Shiksha Sadan', 17, Rouse Avenue, Institutional Area, New Delhi – 110002





हिंदी-'ब'

कक्षा दसवीं - (कोड संख्या 085)

नवीनतम पाठ्यक्रम - 2023-24 (बोर्ड द्वारा दिनांक 31 मार्च 2023 को प्रेषित)

- प्रश्न-पत्र दो खण्डों : खंड 'अ' और खंड 'ब' का होगा।
- खंड 'अ' में 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
- भारांक-{80 (वार्षिक परीक्षा) + 20 (आंतरिक परीक्षा)}
- कुल अंक-100

निर्धारित समय: 3 घंटे

भारांक: 80

परीक्षा भार-विभाजन			
विषय-वस्तु		भार	
खंड - अ (वस्तुपरक प्रश्न)		40	
1.	1. अपठित गद्यांश		10
	(अ)	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) (1 × 5 = 5) + (1 × 5 = 5) (प्रत्येक गद्यांश पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे)	10
2.		प्र रिक व्याकरण के आधार पर ब<mark>हुविकल्पा</mark>त्मक प्रश्न (1 अंक × 16 प्रश्न) 1 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से <mark>केवल 16 प्रश्नों</mark> के उत्तर देने होंगे।	16
	1.	पदबंध (5 में से 4 प्रश्न)	04
	2.	रचना के आधार <mark>पर वाक्य रू</mark> पांतरण (5 में से 4 प्रश्न)	04
	3.	समास (5 में से 4 प्रश्न)	04
	4.	मुहावरे (5 में से 4 प्रश्न)	04
3. पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग-2		14	
	काव्य	खंड	07
	पठित '	<mark>पद्यांश</mark> पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 × 5)	5
स्प <mark>र्श (भाग-2</mark>) से निर्धारित कविताओं के आधार पर एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1 × 2)		2	
गद्य खंड		7	
पठित गद्यांश पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 × 5)		5	
स्पर्श (भाग-2) से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1 × 2)		2	
		खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)	40
4.	पाठ्य	गुस्तक स्पर्श भाग−2	12
	1.	स्पर्श (गद्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (3 अंक × 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)	06
	2.	स्पर्श (काव्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (3 अंक × 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)	06

	पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-2		06
	पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के निर्धारित पाठों में से तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका उत्तर लगभग 60 शब्दों में देना होगा। (3 अंक × 2 प्रश्न)		06
5.	लेखन		22
	(i)	संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए किन्हीं तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन। (5 अंक × 1 प्रश्न) (विकल्प सिहत)	05
	(ii)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र। (5 अंक × 1 प्रश्न)	05
	(iii)	व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में सूचना लेखन। (4 अंक × 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	04
	(iv)	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन। (3 अंक × 1 प्रश्न)(विकल्प सहित)	03
	(v)	दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन। (5 अंक × 1 प्रश्न) अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 100 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन	05
कुल	Ŧ		80

	आंतरिक मूल्यांकन	अंक	20
(अ	सामयिक आकलन	5	
(ब	बहुविध आकलन	5	
(स	पोर्टफ़ोलियो	5	
(द	श्रवण एवं वाचन	5	
	कुल		100

निर्धारित पुस्तकें :

- 1. स्पर्श, भाग-2, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
- 2. संच<mark>यन, भाग-2,</mark> एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट-निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

पाठ्य पुस्तक स्पर्श, भाग-2 बिहारी-दोहे (पूरा पाठ) महादेवी वर्मा-मधुर-मधुर मेरे दीपक जल (पूरा पाठ) अंतोन चेखव-गिरगिट (पूरा पाठ)

पूरक पुस्तक संचयन, भाग-2

पुस्तक में कोई परिवर्तन नहीं। कोई भी पाठ नहीं हटाया गया है।

कक्षा दसवीं हेतु प्रश्न पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए कृपया बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न पत्र देखें।

पठन कौशल

पढने की योग्यताएँ

- हिंदी में कहानी, निबंध, यात्रा-वर्णन, जीवनी, पत्र, डायरी आदि को अर्थबोध के साथ पढ़ना।
- पाठ्यवस्तु के संबंध में विचार करना और अपना मत व्यक्त करना।
- संदर्भ साहित्य को पढ़कर अपने काम के लायक स्चना एकत्र करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित वस्तु का सारांश तैयार करना।
- भाषा, विचार एवं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करना।

लिखने की योग्यताएँ

- लिखते हुए व्याकरण-सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- हिंदी के परिचित और अपरिचित शब्दों की सही वर्तनी लिखना।
- विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग करना।
- लेखन के लिए सिक्रिय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, आदेश पत्र, ईमेल, एस,एम,एस आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर एक अभीष्ट विषय पर अनुछेद लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करना।
- पढ़ी हुई कहानी को संवाद में तथा संवाद को कहानी में परिवर्तित करना।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- लिखने में मौलिकता और सृजनात्मकता लाना।
- अनावश्यक काट-छाँट से बचते हुए सुपाठ्य लेखन कार्य करना
- दो भिन्न पाठों की पाठ्यवस्तु पर चिंतन करके उनके मध्य की संबद्धता (अंतर्संबधों) पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम होनौ
- रटे रटाए वाक्यों के स्थान पर अभिव्यक्ति/स्थिति आधारित/उच्च चिंतन क्षमता वाले प्रश्नों पर सहजता से अपने मौलिक विचार प्रकट करना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- पूर्णता संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना।
- क्रमबद्धता विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना।
- विषय-केन्द्रित प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना।
- समासिकता अनावश्यक विस्तार न देकर सीिमत शब्दों में यथासंभव विषय संबद्ध पूरी बात कहने का प्रयास करना।

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली।
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास।
- सरल और बोलचाल की भाषा शैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति।
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकता के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावी प्रस्तुति।

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख।
- आकर्षक लेखन शैली।
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता।
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- विज्ञापन लेखन में बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं हैं, किंतु समय होने पर प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

चित्र-वर्णन

(चित्र में दिखाई दे हरे दृश्य/घटना को कल्पनाशक्ति से अपने शब्दों में लिखना)

- परिवेश की समझ
- सूक्ष्म विवरणों पर घ्यान
- दृश्यानुकूल भाषा
- क्रमबद्धता और तारतम्यता
- प्रभावशाली अभिव्यक्ति

संवाद लेखन

(दी गई परिस्थितियों के आधार पर संवाद लेखन)

- सीमा के भीतर एक-दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद।
- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली।
- कोष्ठक में वक्ता के हाव-भाव का संकेत।
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी।

सूचना लेखन

(औपचारिक शैली में व्यावहारिक जी<mark>वन से संबं</mark>धित विषयों पर आधारित सूचना लेखन)

- सरल एवं बोधगम्य भाषा
- विषय की स्पष्टता
- विषय से जुड़ी संपूर्ण जानकारी
- औपचारिक शिष्टाचार का निर्वाह

ई-मेल लेखन

(विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल लेखन)

- सरल, शिष्ट व बोधगम्य भाषा
- विषय संबद्धता
- संक्षिप्त कलेवर, किंतु विषयगत संपर्ण जानकारी
- व्यावहारिक/कार्यालयी शिष्टाचार व औपचारिकताओ का निर्वाह

लघुकथा लेखन

(दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लघुकथा लेखन)

- निरंतरता
- कथात्मकता
- प्रभावी संवाद/पात्रानुकूल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पनाशक्ति का उपयोग
- जिज्ञासा/रोचकता